आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा संचालित वर्मी कम्पोस्ट तकनीक परियोजना का अन्तिम मूल्यांकन

सौजन्य से

लोक कार्यक्रम एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद, लखनऊ
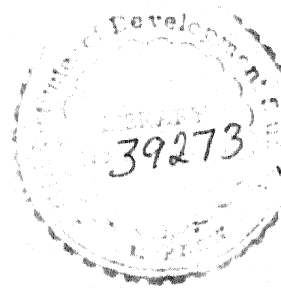
मूल्यांकन कर्त्ता

डा0 प्रताप सिंह गढ़िया

गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

2006

आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा संचालित वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) तकनीक परियोजना का अन्तिम मूल्यांकन

वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का प्रशिक्षण लिए आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के अध्यक्ष श्री तुगनाथ ने कपार्ट को परियोजना प्रस्ताव भेजा गया । कपार्ट से दिनांक 27.07.2003 को परियोजना की स्वीकृति मिली। परियोजना का मुख्य उद्देश्य रासायनिक खादों व कीटनाशकों रहित खाद्यान्न उत्पादन, गन्दगी के ढेरों का पुर्नउपयोग, स्थानीय बाजार में अतिरिक्त केंचुआ खाद को बेचकर स्वरोजगार प्राप्त करना, लोगों को निरर्थक चीजों के उपयोग में प्रबन्ध्यकीय भागीदारी देना, कृषि सत्तता बनाये रखना तथा हरियाली व स्वस्थ पर्यावरण के सम्बन्ध मे अन्य गांवो के लिए एक नमूना पेश करने के उद्देश्य से दिनांक 10.09.203 से 31.03.2005 तक वर्मी कम्पोस्ट परियोजना को चलाया। संस्थान उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति करने में कितना सफल रहा, उसने लक्ष्य पूरे किये या नही, वर्मी कम्पोस्ट तकनीक अपनाने से कृषकों व कृषि क्षेत्र में क्या बदलाव व प्रभाव पड़ा आदि के मूल्यांकन हेतु कपार्ट द्वारा गिरि विकास अध्ययन संस्थान को अन्तिम मूल्याकन का दायित्व सौपा है। गिरि विकास अध्ययन संस्थान द्वारा किये गये वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का बिन्दुवार विवरण निम्नवत है।

1. <u>आदर्श ग्रमोद्योग सेवा संस्थान व उसके कार्यकारिणी के सम्बन्ध में जानकारी</u> :

आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान का कार्यालय संजय नगर चन्दीपुर, विकास खण्ड भदैया में स्थित है। संस्था का पंजीकरण सहायक निबन्धक फर्म्स, सोसाइटी एंव चिट्स उ0 प्र0 के क्षेत्रीय कार्यालय फैजाबाद से किया है। संस्था की प्रथम पंजीकरण संख्या 5788/88–89 है और दिनाक 14.03.2004 को संस्था का नवीनीकरण अगले पाच वर्षो के लिए किया गया है। संस्था के कार्यालय पर कपार्ट सहायता से चलाये जा रहे वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का बोर्ड लगा हुआ पाया गया । संस्था का प्रबन्धन, प्रबन्ध कार्यकारिणी द्वारा किया जाता है। वर्तमान में कार्यकारिणी के सदस्यों का पदानुसार विवरण निम्नवत है।

1.	अध्यक्ष	–	श्री तुगनाथ
2.	उपाध्यक्ष	–	डा0 बजरंग बहादुर
3.	सचिव	–	श्री राधेश्याम
4.	कोषाध्यक्ष	–	श्री रविशंकर
5.	सदस्य	–	श्री विजेन्द्र नाथ, श्री पवन कुमार

आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान का बचत खाता इलाहाबाद बैक अमेठी में खोला गया है। जिसका खात नम्बर 1447 है। बैंक खाते का संचालन अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से किया जाता

है। संस्था के आय–व्यय का विवरण कोषाध्यक्ष द्वारा रखा जाता है। कपार्ट सहायता व स्थानीय लोगों से प्राप्त धनराशि का विवरण सर्वेक्षण के समय मूल्यांकन कर्त्ता को दिखाया गया जो परियोजना में किये गये कार्यो के अनुसार सही पाये गये। केंचुआ खाद के लिए बनाये गये गड्ढों, पोषण सामग्री, केंचुओं की खरीद व वितरण, जागरूकता कार्यक्रम के आंकड़ों का विवरण दिखाया गया जिनके बिल, रसीदें, लेजर, कैशबुक और आडिट रिर्पोट दिखाई गयी। मूल्यांकन कर्त्ता के संज्ञान में ये विवरण सही पाये गये।

2. परियोजना का कार्यक्षेत्र :

आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का क्रियान्वयन सुल्तानपुर जनपद से 15 किलोमीटर की दूरी में स्थित गांवों जैसे – बरूई, वमनगवां, परवरौली, बेला मोहन, पन्ना टिकरी व अभियाकलां में किया गया है। सभी गावों में मिली–जुली जातियां निवास करते है। शिक्षा के लिए इन सभी ग्रामों में प्राथमिक विद्यालयों के अलावा वमनगवां व परवरौली में जूनियर हाई स्कूल भी विराजमान है। सिचाई के लिए निजी नलकूप व छोटी नहरें हैं। उपरोक्त सभी ग्रामों के कृषक परिवार कृषि के अलावा कृषि श्रमिक व अन्य मजदूरी वाले कार्यो में संलग्न है।

3. परियोजना के लाभार्थियों का चयन व प्रचार–प्रसार :

संस्थान के अध्यक्ष श्री तुगनाथ ने अवगत कराया कि सर्वप्रथम चयनित ग्रामों में वर्मी कम्पोस्ट तकनीक के सम्बन्ध में पोस्टर छापे गये उसके बाद गांवों में जाकर बैठकें कर जागरूकता अभियान चलाया गया जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर ग्रामीणों ने संस्थान से सम्पर्क करना प्रारम्भ कर दिया और वर्मी कम्पोस्ट तकनीक अपनाने में रूचि दिखायी। स्वयं वर्मी कम्पोस्ट के गड्ढे बनाने के साथ–2 चयनित गावों के कृषक अन्य कृषकों को भी वर्मी कम्पोस्ट तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे और संस्थान को लाभार्थियों को चयनित करने में सहायता मिलने लगी।

4. परियोजना का आय–व्यय विवरण :

कपार्ट के द्वारा दिनांक 27.07.2003 को आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान को 200 वर्मी कम्पोस्ट पिट्स, केंचुए, केंचुआ पोषण सामग्री, जागरूकता कार्यक्रम, समन्वयक का वेतन तथा प्रशासनिक खर्च हेतु कपार्ट द्वारा कुल 428700 रूपया स्वीकृत किया था संस्था ने दिनांक 10.09.2003 से वर्मी कम्पोस्ट तकनीक परियोजना की शुरूआत की और दिनांक 31.03.2005 तक परियोजना का कार्य पूरा हो गया। कपार्ट द्वारा वर्मी कम्पोस्ट तकनीक परियोजना के लिए दो किश्तों में संस्था को धनराशि आवंटित की। प्रथम किश्त प्रशासनिक व्यय सहित कुल 214350 रूपया चैक सख्या 737585 दिनांक 22.08.2003 को तथा द्वितीय किश्त में भी समान धनराशि चैक संख्या 775304 दिनांक 08.11.2004 जारी किये गये उपरोक्त धनराशि को किस रूप में व्यय किया गया उसके विवरण को तालिका संख्या–01 में दर्शाया गया है।

क्र सं0	कार्यकलाप	कपार्ट सहायता	लाभार्थी / स्थानीय योगदान	कुल लागत
1.	200 वर्मी कम्पोस्ट पिट 100 लाभार्थियों के लिए	216000	14250	230250
2.	100 लाभार्थियों के लिए 500 रू0 प्रति किग्रा0 की दर से 100 किग्रा0 केंचुआ	50000	—	50000
3	पोषण सामग्री रू0 960 / 100लाभार्थियों हेतु 96 X 100	96000	—	96000
4.	परियोजना समन्वयक का वेतन 3000 X 12	36000	—	36000
5.	जागरूकता कार्यक्रम	12000	8000	20000
6.	प्रशासनिक व्यय 5 %	18700	—	18700
	कुल व्यय	428700	22250	450950

परियोजना के संचालन में कुल 450950 रूपया व्यय हुआ जो कपार्ट से उपलब्ध धनराशि से 22250 रूपया अधिक है। इस सम्बन्ध मे संस्थान के अध्यक्ष ने अवगत कराया कि निर्माण सामग्री महंगी होने व अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने के कारण परियोजना व्यय में वृद्धि हुई जिसका वहन संस्था व स्थनीय लागों के सहयोग से किया गया।

5. <u>परियोजना के लाभार्थी तथा परियोजना क्रियान्वयन</u> :

आदर्श ग्रामोद्योग सेवा सस्थान द्वारा 200 केंचुआ खाद बनाने के गड्ढे (पिट्स) बनाकर 100 सीमान्त एव लघु किसानों को दिये हैं। एक कृषक को जुड़वा गड्ढे (टिव्वन पिट्स) दिये गये है। सर्वेक्षण के समय एक पिट्स की नाप ली गयी तो एक गड्ढे की लम्बाई 1.7 मीटर चौड़ाई 0.75 मीटर तथा ऊँचाई 02 मीटर (1.7X 0.75 X 2)पायी गयी। किसानों को केंचुआ पिट्स के अलावा केंचुओं को जो कि प्रतापगढ के राम ओंकार निवासी रानीगंज से मगाये गये थे दिया गया था। केंचुओं को पोषण के लिए नीम के केक, चावल मिल से निकलने वाला कना (ब्रान) आदि चीजों को देने की बात संस्था के पदाधिकारियों व साक्षात्कार लिए गये कृषकों ने बतायी। किसानों को केंचुए पालने के गड्ढे देने के साथ–2 केंचुआ खाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सस्था के अध्यक्ष श्री तुगनाथ स्वयं वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त किये है। उन्होंने स्वय कृषकों को प्रशिक्षण देने के साथ--2 कृषि विज्ञान केन्द्र सुल्तानपुर के एक वैज्ञानिक का भी सहयोग लिया है। चयनित गांवो में सभी जातियों के लाभार्थियों का वर्मी कम्पोस्ट तकनीक से लाभान्वित किया है। लेकिन अनुसूचित जाति के लोग भूमिहीन होने व जोत सीमा नगण्य होने के कारण वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का लाभ लेने के इच्छुक कम रहें हैं। तालिका संख्या–02 में जातिवार व ग्रामवार वर्मी कम्पोस्ट से लाभान्वित हुए लाभार्थियों को दर्शाया गया है। इसके साथ–2 लाभार्थियों की सूची व जिन लाभार्थियो का साक्षात्कार लिया गया है उनको भी सूची मे दर्शाया गया है।

तालिका संख्या – 02 जातिवार व ग्रामवार वर्मी कम्पोस्ट से लाभान्वित लाभार्थियों का विवरण

क्र सं0	जाति / ग्राम	बरूई	वमनगवां	पखरौली	वेला	पन्ना टिकरी	अभियांकला	कुल
1.	सामान्य जाति							
	सीमान्त कृषक	5	–	–	–	–	–	5
	लघु सीमान्त कृषक	7	–	14	8	5	23	57
2	पिछड़ी जाति							
	सीमान्त कृषक	8	4	–	–	5	2	19
	लघु सीमान्त कृषक	1	6	7	–	–	–	14
3.	अनुसूचित जाति							
	सीमान्त कृषक	–	–	5	–	–	–	5
	लघु सीमान्त कृषक	–	–	–	–	–	–	–
	कुल	21	10	26	8	10	25	100

6. वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का प्रभाव :

वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का उपयोग करने वाले कृषकों से साक्षात्कार लेने पर ज्ञात हुआ कि पहले ये कृषक रासायनिक व गोबर की खाद का उपयोग करते थे जहां एक ओर गोबर की खाद कम पड़ जाती थी वहीं दूसरी ओर रासायनिक खाद मंहगी मिलती थी अब वर्मी कम्पोस्ट से इस समस्या का समाधान हो गया है। कृषकों ने अवगत कराया कि वर्मी कम्पोस्ट में गोबर की खाद से चार गुना अधिक शक्ति होती है। केंचुआ खाद के प्रयोग से फलों, सब्जियों एवं अनाजों के स्वाद में अन्तर आ गया है और उत्पादन में वृद्धि हो रही है। गांव के कूड़ा करकट को केंचुओं को खिलाने से गांव में सफाई रहने लगी है। कृषकों ने यह भी अवगत कराया कि जहां रासायनिक खाद से उगायी सब्जियां जल्दी सड़–गल जाती है वहीं केंचुआ खाद से उगाई सब्जिया देर तक संरक्षित रहती हैं। कुल मिलाकर जहां एक ओर गांवों में केंचुआ खाद के उपयोग से हरियाली बनी रहती है उत्पादन में वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी ओर लोगों की आय व रोजगार में भी वृद्धि हो रही है। वर्मी कम्पोस्ट के फायदों से अवगत होकर इन गांवों के लोग अपने रिश्ते–नातेदारों को भी अवगत करा रहे हैं और अन्य गांवों में भी इसका प्रचार–प्रसार हो रहा है अर्थात् वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का कार्यक्रम सफल रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोग इसको अपनाने के इच्छुक है और लाभार्थी संतुष्ट देखे गये हैं।

क्र सं0	नाम	जाति	ग्राम	जोत आकार	लाभार्थी जिनसे साक्षात्कार लिया
1.	श्री सिद्धनाथ	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	✓
2	श्री विनोद	सामान्य	बरूई	सीमान्त	✓
3.	श्री राजपति	सामान्य	बरूई	सीमान्त	✓
4.	श्री नन्हकू	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	✓

5.	श्री रवी शंकर	सामान्य	बरूई	सीमान्त	✓
6	श्री वासदेव	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	✓
7	श्री ओम प्रकाश	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	
8	श्री अशोक कुमार	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	
9.	श्री देवतादीन	सामान्य	बरूई	सीमान्त	
10.	श्री छोटू	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
11.	श्री घनश्याम	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
12	श्री हरदयाल	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
13.	श्री महादेव	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
41	श्री जय प्रकाश	सामान्य	बरूई	सीमान्त	
15.	श्री राम प्रकाश	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	
16.	श्री राधे रमन	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	
17.	श्री लक्ष्मी नारायन	सामान्य	बरूई	लघु सीमान्त	
18.	श्री राम कवल	पिछड़ी जाति	बरूई	लघु सीमान्त	
19.	श्री हरिशचन्द्र	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
20.	श्री काली चरन	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
21.	श्री रामदेव	पिछड़ी जाति	बरूई	सीमान्त	
22.	श्री गया प्रसाद	पिछड़ी जाति	बभनगवां	लघु सीमान्त	
23.	श्री माता प्रसाद	पिछड़ी जाति	बभनगवां	लघु सीमान्त	
24.	श्री बद्री प्रसाद	पिछड़ी जाति	बभनगवां	सीमान्त	
25	श्री सालिगराम	पिछड़ी जाति	बभनगवा	सीमान्त	
26	श्री राम बहादुर	पिछड़ी जाति	बभनगवां	सीमान्त	
27	श्री जगन्नाथ	पिछड़ी जाति	बभनगवां	लघु सीमान्त	
28	श्री श्याम बहादुर	पिछड़ी जाति	बभनगवा	लघु सीमान्त	
29	श्री जितेन्द्र	पिछड़ी जाति	बभनगवां	सीमान्त	
30.	श्री जीत लाल	पिछड़ी जाति	बभनगवां	सीमान्त	
31	श्री दुसई	पिछड़ी जाति	बभनगवां	सीमान्त	
32	श्री कमलाकर	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
33	श्री राम शिरोमणि	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
34	श्री श्री भगवान	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
35	श्री पारसनाथ	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
36	श्री गनेश	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
37	श्री रमाकान्त	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
38	श्री राम उजागिर	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
39	श्री लक्ष्मीकान्त	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
40	श्री हनुमान	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
41	श्री बृजेश	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	
42	श्री राम अकबाल	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	
43	श्री स्वामीनाथ	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	
44	श्री जन्त्री प्रसाद	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
45	श्री सत्यदेव	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	

46	श्री रामशकर	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	✓
47.	श्री बृजलाल	पिछड़ी जाति	पखरौली	लघु सीमान्त	
48.	श्री समर बहादुर	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
49.	श्री राकेश	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
50.	श्री श्याम शंकर	अनुसूचित जाति	पखरौली	सीमान्त	
51.	श्री विशनू	अनुसूचित जाति	पखरौली	सीमान्त	
52.	श्री मेलादीन	अनुसूचित जाति	पखरौली	सीमान्त	
53.	श्री वन्शी	अनुसूचित जाति	पखरौली	सीमान्त	
54.	श्री सनेही	अनुसूचित जाति	पखरौली	सीमान्त	
55.	श्री हौशिला पाण्डे	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
56.	श्री ओम प्रकाश	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
57.	श्री सुरेश	सामान्य	पखरौली	लघु सीमान्त	
58	श्री राम बरन	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	
59	श्री उमाशकर	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	
60	श्री इन्द्रसेन	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	✓
61.	श्री संजय	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	✓
62.	श्री काशीनाथ	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	
63.	श्री बृजेश	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	✓
64.	श्री अनिल	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	✓
65.	श्री राम सूरत	सामान्य	बेला	लघु सीमान्त	
66	श्री कमलेश प्रसाद	सामान्य	पन्नाटिकरी	लघु सीमान्त	
67.	श्री दिनेश कुमार	सामान्य	पन्नाटिकरी	लघु सीमान्त	
68	श्री रामा शंकर	सामान्य	पन्नाटिकरी	लघु सीमान्त	
69	श्री जितेन्द्र प्रसाद	सामान्य	पन्नाटिकरी	लघु सीमान्त	✓
70	श्री राम पाठक	सामान्य	पन्नाटिकरी	लघु सीमान्त	✓
71	श्री रामकेश	पिछड़ी जाति	पन्नाटिकरी	सीमान्त	✓
72	श्री रामलाल	पिछड़ी जाति	पन्नाटिकरी	सीमान्त	
73.	श्री रामहित	पिछड़ी जाति	पन्नाटिकरी	सीमान्त	
74	श्री रामजग	पिछड़ी जाति	पन्नाटिकरी	सीमान्त	
75	श्री राम नेवाज	पिछड़ी जाति	पन्नाटिकरी	सीमान्त	
76.	श्री मोहनलाल	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
77.	श्री विनोद	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
78	श्री श्रीराम	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
79.	श्री बेजनाथ	पिछड़ी जाति	अभियांकला	सीमान्त	
80.	श्री रामजग	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
81	श्री बब्बन सिंह	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
82.	श्री महादेव	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
83.	श्री त्रसिराम	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
84.	श्री रामचन्दर तिवारी	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
85.	श्री कृष्ण कुमार	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
86.	श्री रामबहाल	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	

87.	श्री राम ओंकार	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
88.	श्री स्वामी प्रसाद	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
89.	श्री राकेश	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
90.	श्री केदारनाथ	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
91.	श्री श्याम करन	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
92.	श्री राम जनक	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
93.	श्री शिव करन	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
94.	श्री जगदीश प्रसाद	पिछड़ी जाति	अभियांकला	सीमान्त	✓
95.	श्री रमेश चन्द्र	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
96.	श्री सूर्य नारायण	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
97.	श्री राधे श्याम	सामान्य	अभियाकला	लघु सीमान्त	
98.	श्री राम चन्द्र दूबे	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	
99.	श्री रामफेर	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓
100	श्री उमाकान्त	सामान्य	अभियांकला	लघु सीमान्त	✓

7. <u>वर्मी कम्पोस्ट तकनीक के बने रहने की सतृतता</u> :

यद्यपि संस्था द्वारा संचालित वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का कार्य 31.03.2005 को पूरा हो गया था लेकिन कृषक वर्मी कम्पोस्ट तकनीक की निरन्तरता बनाये हुए है। कुछ पिट्स की ईटें निकली हुई देखी गयी तथा कुछ पिट्स में झाड़–झंकाड़ पड़ा देखा गया लेकिन अधिकतर कृषक केंचुए के खाद का उपयोग कर रहे हैं। संस्था के अध्यक्ष समय–2 पर गांवों में जाकर फालोअप का कार्य करने की बात स्वीकारते हैं।

कुल मिलाकर आदर्श ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा वर्मी कम्पोस्ट प्रोजेक्ट में किया गया कार्य सराहनीय रहा है। सभी लक्ष्य प्राप्त किये गये हैं। संस्था द्वारा जो वर्मी कम्पोस्ट के गड्ढे बनाये है उन पर कृषकों का अधिकार है। वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का सभी गांवों व क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जिले के अन्य विकास खण्डो में भी इस कार्यक्रम को फैलाने की अपार सम्भावनायें हैं। सहमत हो तो समिति की पत्रावली निक्षेपित की जा सकती है।

39273